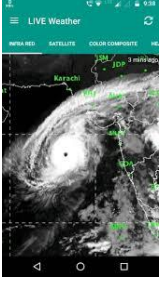


कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 04 भाग 06, (नवंबर, 2024)
पृष्ठ संख्या 33-34



कृषि विस्तार सेवाओं के आधुनिकीकरण में सोशल मीडिया
और मोबाइल ऐप्स की भूमिका

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह और डॉ. कुनाल नरवाल
सहायक प्रोफेसर, कृषि विभाग

संस्कारम विश्वविद्यालय, झज्जर, राजस्थान, भारत।

Email Id: – kunalnarwal0055@gmail.com

कृषि विस्तार सेवाओं का पारंपरिक रूप से किसानों तक जानकारी और तकनीकी सहायता पहुंचाने के लिए आमने-सामने संवाद, क्षेत्रीय प्रदर्शन और मुद्रित सामग्री पर निर्भर रहा है। लेकिन डिजिटल प्रौद्योगिकी, खासकर सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के तेजी से विस्तार के साथ, कृषि विस्तार के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आ रहा है। ये डिजिटल उपकरण किसानों तक व्यापक और त्वरित जानकारी पहुंचाने, समय-समय पर संवाद स्थापित करने, और संबंधित पक्षों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के नए तरीके पेश कर रहे हैं। इस लेख में, हम यह जानेंगे कि सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स कैसे कृषि विस्तार सेवाओं का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और ये उपकरण खेती के भविष्य को किस प्रकार आकार दे रहे हैं।

डिजिटल युग में कृषि विस्तार की
प्रासंगिकता

कृषि विस्तार सेवाएं किसानों तक नई जानकारी, तकनीकें और नवाचार पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये सेवाएं किसानों को उत्पादन बढ़ाने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और जलवायु परिवर्तन, कीट प्रकोप और बाजार के उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों का सामना करने में मदद करती हैं। हालांकि, पारंपरिक कृषि विस्तार विधियों को भौगोलिक बाधाएं, सीमित संसाधन और जानकारी के धीमे

प्रसार जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस संदर्भ में, सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स जैसी डिजिटल तकनीकें इन चुनौतियों को दूर करने में एक सशक्त समाधान के रूप में उभर रही हैं।

कृषि विस्तार में सोशल मीडिया की भूमिका

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, यूट्यूब और इंस्टाग्राम ने कृषि जानकारी के प्रसार के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। यहां कुछ तरीके दिए गए हैं जिनसे सोशल मीडिया कृषि विस्तार को आधुनिक बना रहा है:

1. **तत्काल संवाद और जानकारी साझा करना:** सोशल मीडिया विस्तार कार्यकर्ताओं और किसानों के बीच वास्तविक समय में संवाद स्थापित करने की सुविधा देता है। विस्तार कर्मियों मौसम की जानकारी, कीट प्रकोप चेतावनी, फसल की कीमतों और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी को तुरंत साझा कर सकते हैं। यह तात्कालिकता किसानों को तेजी से निर्णय लेने और कृषि चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में मदद करती है।

2. **ऑनलाइन समुदाय और किसान नेटवर्क:** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐसे ऑनलाइन समुदाय बनाने की सुविधा देते हैं जहां किसान एक-दूसरे से संवाद कर सकते हैं, अनुभव साझा कर सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं और ज्ञान का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

ये नेटवर्क सहकर्मी-से-सहकर्मी सीखने को प्रोत्साहित करते हैं, जो विस्तार सेवाओं द्वारा प्रदान की गई सलाह को पूरक बनाता है।

3. कम लागत में व्यापक पहुंच: सोशल मीडिया कृषि विस्तार सेवाओं के लिए एक व्यापक और लागत प्रभावी तरीका है। विस्तार कर्मी सोशल मीडिया पर सूचनात्मक पोस्ट, वीडियो और इन्फोग्राफिक्स बनाकर हजारों किसानों तक एक साथ पहुंच सकते हैं, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पहुंचना कठिन होता है।

4. दृश्य सामग्री और शिक्षण: यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर किसान विभिन्न कृषि तकनीकों, कीट नियंत्रण विधियों और फसल कटाई के प्रबंधन पर वीडियो देख सकते हैं। यह दृश्य शिक्षण उन किसानों के लिए विशेष रूप से सहायक है जो सीमित साक्षरता रखते हैं या अवलोकन के माध्यम से सीखना पसंद करते हैं।

5. दोतरफा संवाद और प्रतिक्रिया: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दोतरफा संवाद की सुविधा देते हैं, जहां किसान विस्तार कर्मियों से अपने सवाल पूछ सकते हैं और तुरंत प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकते हैं। यह संवाद किसानों को संदेह दूर करने में मदद करता है और साथ ही विस्तार सेवाओं को किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने में सक्षम बनाता है।

कृषि विस्तार में मोबाइल ऐप्स की भूमिका

कृषि के लिए डिजाइन किए गए मोबाइल ऐप्स आधुनिक कृषि विस्तार सेवाओं में एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गए हैं। ये ऐप्स किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी, उपकरणों और सेवाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं। यहां कुछ तरीके दिए गए हैं जिनसे मोबाइल ऐप्स कृषि विस्तार सेवाओं को बदल रहे हैं:

1. वास्तविक समय की जानकारी तक पहुंच: मोबाइल ऐप्स मौसम की जानकारी, कीट चेतावनियां, मिट्टी की सेहत, बाजार की कीमतें और फसल प्रबंधन प्रथाओं के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं। ये

जानकारी स्थान-विशिष्ट होती है, जिससे किसानों को अपने खेती संबंधी निर्णय बेहतर ढंग से लेने में मदद मिलती है।

2. व्यक्तिगत सलाह और निर्णय समर्थन उपकरण: कई मोबाइल ऐप्स किसानों की भौगोलिक स्थिति, फसल के प्रकार और खेती की परिस्थितियों के आधार पर व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, "किसान सुविधा" ऐप भारत में और "फार्मलॉग्स" अमेरिका में किसानों को फसल प्रबंधन के सुझाव, कीट नियंत्रण उपाय और सिंचाई योजनाएं प्रदान करते हैं।

3. ई-लर्निंग और क्षमता निर्माण: मोबाइल ऐप्स डिजिटल विस्तार एजेंटों की तरह काम करते हैं और किसानों को विभिन्न कृषि विषयों पर ई-लर्निंग मॉड्यूल और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हैं।

4. वित्तीय सेवाओं और बाजार संपर्क तक पहुंच: मोबाइल ऐप्स अक्सर वित्तीय सेवाओं, जैसे मोबाइल बैंकिंग, माइक्रो लोन, और फसल बीमा को शामिल करते हैं, जिससे किसानों को क्रेडिट तक पहुंच मिलती है।

चुनौतियाँ और सीमाएँ

हालांकि सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स में अत्यधिक क्षमता है, फिर भी इनके व्यापक रूप से अपनाने में कुछ चुनौतियाँ हैं:

❖ **इंटरनेट की सीमित पहुंच:** कई ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी होती है।

❖ **डिजिटल साक्षरता:** सभी किसान स्मार्टफोन के उपयोग और डिजिटल ऐप्स को आसानी से नहीं समझ पाते, विशेष रूप से पुराने और कम शिक्षित किसान।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स ने कृषि विस्तार सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है, जिससे ये सेवाएं अधिक कुशल, सुलभ और किसानों की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी बन गई हैं।